(ग) क्या यह भी सच है कि उपर्युक्त मांग पूरी करने पर बहुत धन व्यय नहीं होता ?

रेलवे मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) और (ख) : बांदा से दिल्ली तथा हावड़ा जाने वाले और वापस आने वाले यात्रियों के लिए कानपुर और मानिकपुर स्टेशनों पर मुख्य लाइन की गाड़ियों के साथ उपयुक्त मेल की व्यवस्था की गयी है। लेकिन इस समय एक ओर बांदा और दूसरी ओर हावड़ा तथा दिल्ली के बीच सीधा जाने वाला जितना यातायात होता है उसकी दैनिक औसत इतनी कम है कि इन स्टेशनों के बीच सीधे सवारी डिब्बे चलाने का कोई औचित्य नहीं बनता।

(ग) जी नहीं। खण्डीय सवारी डिब्बे चलाने पर अतिरिक्त खर्च होता है।

मध्य रेलवे पर एक्सप्रेस/सवारी गाड़ीयों का देरी से चलना

5064. श्री जगेश्वर यादव : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मध्य रेलवे झांसी-मानिकपुर सैक्शन पर सवारी गाड़ियां, लखनऊ बांदा एक्सप्रेस गाड़ियां तथा कानपुर बांदा सवारी गाड़ियां लगभग गत आठ महीनों से प्रतिदिन 8 घण्टे, 6 घण्टे तथा 4 घण्टे देरी से चलती रही हैं ;

(ख) मध्य रेलवे के बांदा जंक्शन पर वे गाड़ियां 10 से 25 जुलाई 1969 तक कितने बजे पहुंची तथा कितने बजे रवाना हुई ;

(ग) क्या यह भी सच है कि उपर्युक्त गाड़ियां देरी से चलने से यात्रियों को अगली गाड़ियां नहीं मिलती तथा उनका बहुत सा समय नष्ट हो जाता है ; और

(घ) क्या यह भी सच है कि इस बारे में की गई अनेक शिकायतों के बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है ;

रेलवे मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) जी नहीं।

(ख) एक विवरण सभा पटल पर रखा गया है। [पुस्तकालय में रखा गया। देखिये संख्या *LT* 1854/69]

(ग) और (घ) झांसी-बांदा-मानिकपुर और बांदा-कानपुर लखनऊ खंडों पर सवारी गाड़ियों का समय पर चलना, विभिन्न कारणों से सन्तोषजनक नहीं रहा है, जैसे समाज विरोधी तत्वों द्वारा खतरे की जंजीर खींचे जाने की अत्याधिक घटनाएं और तांबे के तारों की भारी मात्रा में चोरी और उसके कारण कंट्रोल का फेल हो जाना। इन गाड़ियों के लेट चलने के फलस्वरूप कुछेक बार ऐसा हुआ है कि गाड़ी बांदा में मेल नहीं ले सकी। उदाहरणतः 10-7-1969 से 25-7-1969 के बीच गाड़िया तीन बार मेल नहीं ले सकी इन खण्डों पर गाड़ियों के संचालन को सुधारने के लिये सभी सम्भव कदम उठाये जा रहे है और यह मामला राज्य सरकार के प्राधिकारियों के ध्यान में भी लाया गया है और बांदा-कानपुर-मानिकपुर क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति में सुधार लाने के लिये उनकी मदद मांगी गयी है, ताकि समाज विरोधी तत्वों द्वारा खतरे की जंजीर खींचने की घटनाओं को यथासम्भव कम किया जा सके।

Cess on Salt

5065. SHRI R. K. BIRLA: Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Gov-